"स्थायी विकास और जलवायु परिवर्तन" पर हुई चर्चा

15वे डेल्ही सस्टेनेबल डेवलपमेंट समिट 2015

दिल्ली। राज्य प्रमुख व नोबेल विजेता और विशेषज्ञ 15वे डेल्ही सस्टेनेबल डेवलपमेंट समिट 2015 में विश्व के प्रमुख मुद्दों और उनके समाधान खोजने हेतु एकत्रित हुए। द एनर्जी एंड रिसोर्सेस इंस्टिट्यूट के इस आयोजन ने ''स्थायी विकास और जलवायु परिवर्तन'' जो की इस वर्ष के आयोजन का प्रमुख विषय है, पर संवाद के लिए एक विशिष्ट मंच प्रदान किया। डेल्ही सस्टेनेबल डेवलपमेंट समिट 2015 का महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योकि इसमें विकास के कई मुद्दे मूर्त रूप लेंगे। संयुक्त राष्ट्र साधारण सभा द्वारा सितम्बर 2015 में नए लक्ष्य निर्धारित किये जाने है और जलवायु समझौता वार्ता (कांफ्रेंस ऑफ़ पार्टीज) जो इस वर्ष में पेरिस में होना है।

द एनर्जी एंड रिसोर्सेस इंस्टिट्यूट के मुख्य निदेशक डॉ. आर के पचोरी, ने बताया कि, आई.पी. सी. सी. की रिपोर्ट ने से पता चला है कि यदि हमने त्वरित कार्यवाई नहीं की तो इसके भविष्य में इसके परिणाम विनाशकारी होंगे। परन्तु जलवायु परिवर्तन मिश्रित लाभ के अवसर भी प्रदान करती है स्वच्छ और वहनीय ऊर्जा जैसे सौर एवं वायु ऊर्जा में निवेश ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन को नियंत्रित कर सकता है और स्वच्छ परिवहन व्यवस्था जैसे रेल और साइकिल वायु प्रदुषण से जन स्वास्थ्य को सुधार सकते है।